

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

गुरुवार को संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक यात्रा का आत्मविश्वास से भरा बयान भी है। 1 फरवरी को आने वाले केंद्रीय बजट से टीक पहले पेश किया गया यह सर्वेक्षण सरकार की प्राथमिकताओं, चुनौतियों और दीर्घकालिक दृष्टि को स्पष्ट करता है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस तरह स्थिरता और गति का संतुलन बनाए रखा है, वह इस सर्वेक्षण का केंद्रीय संदेश है।

सर्वेक्षण के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.3 से 7.5 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। यह संकेत देता है कि वैश्विक मंदी, युद्ध और व्यापारिक तनावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। वहीं 2026-27 के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि

आर्थिक सर्वेक्षण: सुधार और संभावनाओं की तस्वीर

दर यह भरोसा दिलाती है कि भारत की विकास गाथा केवल अस्थायी उछाल नहीं, बल्कि संरचनात्मक मजबूती पर आधारित है।

महंगाई के मोचे पर भी सर्वेक्षण राहत देता है। खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे में बनी हुई है। जीएसटी ढांचे में सुधार, आपूर्ति श्रृंखला के बेहतर प्रबंधन और सरकारी हस्तक्षेपों ने कीमतों को नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभाई है। यह संतुलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विकास की रफ्तार तभी ठीकाऊ होती है जब आम नागरिक पर महंगाई का बोझ सीमित रहे।

हालांकि सर्वेक्षण चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं करता। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, संरक्षणवादी नीतियों और कुछ देशों द्वारा टैरिफ बढ़ाने की प्रवृत्ति भारतीय

निर्यात के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। इसके साथ ही डॉलर के मुकामले रुपये के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी देता है।

सर्वेक्षण स्पष्ट करता है कि मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और विवेकपूर्ण मौद्रिक नीति ही ऐसे समय में सुरक्षा कवच बन सकते हैं। सेक्टर-वार प्रदर्शन की बात करें तो कृषि क्षेत्र ने सामान्य मानसून और ग्रामीण मांग में सुधार के चलते मजबूती दिखाई है। 1 फरवरी का बजट अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवन का है। वहीं विनिर्माण और सेवा क्षेत्र विकास के मुख्य इंजन बने हुए हैं। निजी निवेश में तेजी के संकेत बताते हैं कि कारोबारी विश्वास लौट रहा है और भविष्य की संभावनाओं को लेकर उद्योग जगत आश्रस्त है। प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेखित रिफॉर्म

एक्सप्रेस की अंधारणा आर्थिक सर्वेक्षण में टोस रूप में दिखाई देती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत खर्च को भविष्य की विकास रणनीति का आधार माना गया है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि सरकार अत्यंतकालिक लोकलुभावान उपायों के बजाय दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर जोर दे रही है।

कुल मिलाकर, आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 भारत की अर्थव्यवस्था की एक संतुलित तस्वीर पेश करता है, जहां चुनौतियां हैं, लेकिन उनसे निपटने का आत्मविश्वास भी है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि 1 फरवरी का बजट इस सर्वेक्षण की भावना को कितनी मजबूती से जमीन पर उतार पाता है। यदि सुधारों की यह गति बनी रही, तो भारत न केवल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर भी टोस कदम बढ़ाएगा।

सुशासन के जरिए विकास को गति



पंकज जोशी

कुशल शासन की दिशा में भारत की यात्रा अक्सर एक विशाल संस्थायी ढांचे के तहत कार्यान्वयन से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों को रेखांकित करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2015 में स्थापित 'प्रगति'

[सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन (प्रो-एक्टिव गवर्नंस एंड टाइमली इवलीमेंटेशन)] नामक पहल, नौकरशाही की पेचीदगियों को दूर करने के एक शक्तिशाली तंत्र के रूप में कार्य करती है। एक ओर जहां यह विभिन्न राष्ट्रीय परियोजनाओं को गति प्रदान करती है, वहीं इसका प्रभाव शासक स्तर पर सबसे अधिक स्पष्ट होता है। आर्थिक विकास को दृष्टि से महत्वपूर्ण विशिष्ट क्षेत्रीय परियोजनाओं की सटीक निगरानी राज्य स्तर पर की जाती है। गुजरात में, 'प्रगति' के तहत की गई समीक्षाओं ने बुनियादी ढांचे, ऊर्जा तथा सामाजिक कल्याण से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं में आने वाली अड़चनों को व्यवस्थित रूप से दूर किया है और सहकारी संघेवाव के एक मजबूत मॉडल को मूर्त रूप दिया है। 'प्रगति' ने न सिर्फ समीक्षा के एक मंच, बल्कि एक पूर्वानुमानित शासन के रूप में भी कार्य किया है। महीने

बुनियादी ढांचे से परे- सामाजिक दायित्व

'प्रगति' का दायरा भीतिक बुनियादी ढांचे से कहीं आगे जाता है। यह पहल समाज कल्याण की प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करने और अंतिम छोर तक उनकी सुलभता सुनिश्चित करने में भी समान रूप से प्रभावी है। प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसरना मिशन (पीएम-आरबी) स्वास्थ्य संबंधी इस महत्वपूर्ण पहल की समयबद्ध और प्रभावी कवरेज सुनिश्चित करने हेतु निगरानी की गई। नागरिकों को मिलने वाले प्रमुख लाभ हैं- उन्नत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के जरिए स्वास्थ्य सेवा तक बेहतर पहुंच; देखभाल की बेहतर गुणवत्ता; वित्तीय बोझ में कमी, आईटी-आधारित रोग निगरानी प्रणाली तथा प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के विकास द्वारा महामारी से निपटने की बेहतर तैयारी एवं प्रतिक्रिया; व्यापक प्राथमिक देखभाल, और डिजिटल स्वास्थ्य एकीकरण, पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री)- स्कूली अवसरना के आधुनिकीकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस योजना को प्रगति की समीक्षा 'प्रगति' के जरिए की जाती है।

की शुरुआत में अग्रिम रूप से एजेंडा का वितरण राज्य के संबंधित विभागों, जिला प्रशासन और कार्यान्वयन एजेंसियों को केन्द्रित भागीदारी को बढ़ावा देने में सहायक रहा। सक्रिय अनुवर्ती कार्रवाई के परिणामस्वरूप, 'प्रगति' की निर्धारित बेंचमार्क से पहले ही कई समस्याओं का निराकरण हो गया। लिहाजा, ऐसे एजेंडा मदों को अंतिम समीक्षा से हटा दिया गया। यह उच्चस्तरिय हस्तक्षेप से पहले ही राज्य स्तर पर उनके समाधान को दर्शाता है।

राज्य-आधारित तेजी हेतु एक डिजिटल समन्वय- 'प्रगति' की सफलता का मूल राज्य और केन्द्रीय प्रशासन के शीर्ष स्तरों को जवाबदेही-आधारित एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने की इसकी क्षमता में निहित है। हर महीने, यह इंटरफेस

उन परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा को संभव बनाता है जो अंतर-विभागीय मतभेदों या भूमि अधिग्रहण संबंधी अड़चनों की वजह से रुक सकती हैं।

डीएमआईसी को सीधे प्रधानमंत्री की समीक्षा के अधीन रखकर, 'प्रगति' ने धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण, विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों और निजी हितधारकों से जुड़ी समस्याओं पर वास्तविक समय में चर्चा किया जाना सुनिश्चित किया। इस प्रक्रिया ने निर्माण लेने की कवायद को गति दी। नौकरशाही में श्याम लालफौलाशाही को कम किया और सभी संबंधित पक्षों को स्पष्ट व समयबद्ध दिशा-निर्देश का मूल राज्य और केन्द्रीय प्रशासन के शीर्ष स्तरों को जवाबदेही-आधारित एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने की इसकी क्षमता में निहित है। हर महीने, यह इंटरफेस

अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे के बुनियादी ढांचे के समयबद्ध विकास को सुनिश्चित किया है।

यह 109 किलोमीटर लंबी एक महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड परियोजना है, जिसे अहमदाबाद को धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर) से जोड़ने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र हेतु कुल 91,000 करोड़ रुपये के मुख्य परियोजना निवेश के साथ, यह इलाका भारत का सेमीकंडक्टर हब बनने के लिए तैयार है और यहां देश के पहले स्वदेशी सिलिकॉन का उत्पादन होगा। इस राज्य की सीमाओं के भीतर संचालित होने वाली ऐसी उच्च-मूल्य वाली केन्द्रीय परियोजनाएं उस 'प्रगति' तंत्र का हिस्सा बनने की आदर्श हकदार हैं, जो राज्य के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय दृष्टिकोण के बीच तालमेल सुनिश्चित करती हैं।

गुजरात की ह्रित ऊर्जा क्रांति को गति- गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी है और 'प्रगति' इसकी विशाल क्षमता को मूर्त रूप देने में अहम भूमिका निभा रही है। बड़े पैमाने की विविध सौर एवं पवन परियोजनाएं इस लक्ष्य को रेखांकित करती हैं। कुल 1200 मेगावाट क्षमता वाली खावड़ा सौर पीवी परियोजना (6284 करोड़ रुपये) और 1255 मेगावाट क्षमता वाली खावड़ा सौर पीवी परियोजना (7180 करोड़ रुपये) इस पहल की प्रमुख घटक हैं।

(लेखक आईएसएस (सेवानिवृत्त), जीआईआरसी के अध्यक्ष/गुजरात के पूर्व मुख्य चिहवि है)

महाकौशल की डायरी

पुष्पा के सिंडीकेट की तरह काम कर रहा अनाज माफिया गिरोह



अविनाश दीक्षित

हिंदी सिनेमा की सुपरहिट हो चुकी पुष्पा के सिंडीकेट की तरह जबलपुर के अनाज माफिया भी गरीबों के राशन को डकारते नजर आ रहे हैं। दुकान विक्रेता, डीलर और ट्रांसपोर्टर का सिंडीकेट गरीबों को मिलने वाले

अनाज में डाका डाल रहा है जिसके उजागर होने के बाद चर्चाएं आम हो गई हैं कि सरकारी अनाज की कालाबाजारी करने का एक बार फिर से ट्रेंड बदल दिया गया है। पहले निजी अनाज गोदाम से कालाबाजारी का खेल चलता था तो प्रशासन ने वेयरहाउस की निगरानी मुस्तैद कर दी थी लेकिन अब अनाज की कालाबाजारी के लिए ट्रांसपोर्टर एवं



डीलर्स सांठगांठ कर सरकारी अनाज को व्यापारी के फुड तक चोरी छिपे पहुंचा रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक स्तर की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं, जानकारों का कहना है कि इस बड़े घोटाले में जिम्मेदारों को चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है।

विदित हो कि राज्य खाद्य निगम (एफएसएफसी) के गोदाम से डीलर की दुकान तक वाहनों से अनाज भेजा जाता है जिसके बीच में ही सारा खेल हो रहा है। खबर सरेआम है कि जीपीएस सिस्टम के साथ गैहूँ-चावल को वेयर हाउस से लेकर राशन दुकान तक पहुंचाने वाले ट्रांसपोर्टरों ने पूरा सिंडीकेट बनाकर परियोजनाएं उस 'प्रगति' तंत्र का हिस्सा बनने की आदर्श हकदार हैं, जो राज्य के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय दृष्टिकोण के बीच तालमेल सुनिश्चित करती हैं।

सुखियों में सीईओ का बयान

जबलपुर स्मार्ट सिटी के सीईओ का बयान इन दिनों काफी सुखियों में बना हुआ है। बयान स्मार्ट सिटी कार्यालय में पदस्थ करीब 26 अधिकारी-कर्मचारियों से जुड़ा है। खबर है कि स्मार्ट सिटी में पिछले 2 साल से कोई काम नहीं है उसके बाद भी वहां के अधिकारी-कर्मचारियों को भुगतान का वेतन मिल रहा है और इसी वेतन के नाम पर बीते 2 साल में करीब 3 करोड़ रुपये सरकारी खजाने से खाली किए गए हैं। मामले में सीईओ ने जो कहा उससे तो साफ था कि ये सरकारी खजाना अभी और खाली होता रहेगा क्योंकि शासन से अभी ऐसा कोई आदेश नहीं आया है कि स्मार्ट सिटी जबलपुर को खत्म किया जा सके और यहां के अधिकारी-कर्मचारियों को हटाया जा सके। जबकि फिलहाल अभी जबलपुर स्मार्ट सिटी के पास कोई प्रोजेक्ट काम करने के लिए भी नहीं है, सर्वविदित है कि स्मार्ट सिटी का कार्यकाल जून 2023 को ही समाप्त हो चुका है। विदित हो कि शहर को स्मार्ट बनाने के लिए स्मार्ट प्रोजेक्ट के तहत 2016 में निर्माण व विकास कार्य शुरू हुए थे लेकिन यहां पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित समय-सीमा में प्रोजेक्ट पूरा नहीं कर पाए। कई विकास कार्यों को एक्सपेंशन दिया गया फिर भी कोई एसे प्रोजेक्ट है, जो अक्षर है। जैसे स्मार्ट रोड निर्माण, भूमिगत नाली निर्माण, भूमिगत बिजली लाइन डालना, 24 घंटे सात दिन पानी योजना के कार्य एक्सपेंशन दिए जाने के बाद किसी तरह हो पाए, आज भी कई जगह भूमिगत नाली, बिजली, पानी की पाइपलाइन बिछाने के कार्य व राइट टाउन स्टैडियम के दूसरे फेज के कार्य अक्षर हैं।



जबलपुर स्मार्ट सिटी

निशानेबाज

क्या है मागा और वागा, टूटने लगा दोस्ती का धागा

यूजीसी के नए नियमों का देशत्यापी विरोध

पिछले साल फरवरी में यूजीसी ने इन नियमों के मसौदा संस्करण को सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था, जिसमें ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था और भेदभाव की परिभाषा अस्पष्ट थी। मसौदा नियमों में यह भी परभाव था कि भेदभाव की झूठी शिकायतों को 'हताशाहित' किया जाए और इसके लिए जुर्माने का प्रस्ताव रखा गया था। लेकिन अंतिम अधिसूचित नियमों में यूजीसी ने ओबीसी को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे में शामिल किया है और झूठी शिकायतों से संबंधित प्रावधान को हटा दिया गया है। साथ ही, 'भेदभाव' की परिभाषा को थोड़ा विस्तृत किया गया है, ताकि इसमें साल 2012 के विनियमों में शामिल कुछ बिन्दुओं को लाया जा सके।

इसके अतिरिक्त जाति-आधारित भेदभाव को रोकने के लिए प्रत्येक परिसर में समानता समितियों (इवैलेंटिटी कमेटी) के गठन को अनिवार्य कर दिया गया है, इनका पालन न करने पर सदन को डिग्री या कार्यक्रम प्रदान करने से रोकने जैसे संरक्षण का सामना करना पड़ सकता है। जाति-आधारित भेदभाव का अर्थ यह है कि केवल जाति या जनजाति

के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बनाने की मांग की थी।

जनवरी 2016 में तेलंगाना में रोहित वेमुला और मई 2019 में पायल तांडवी की आत्महत्या मामलों के बाद पीडित परिवारों ने 29 अगस्त 2019 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायित्व करके जातीय भेदभाव की शिकायतों से निपटने के लिए कोर्ट में याचिका दायित्व किया, जिसकी समीक्षा शिक्षा, महिला व युवा मामलों की संसदीय समिति ने की और 8 दिसंबर 2025 को अपनी सिफारिशें कोर्ट सरकार को सौंपीं। यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया गया था और 15 जनवरी 2026 से इसे लागू कर दिया गया। यह विनियम 2012 से लागू भेदभाव-रही नियमों का संशोधित रूप है।

आधार पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के सदस्यों के खिलाफ किया गया भेदभाव है, भेदभाव की परिभाषा किसी भी हितधारक के खिलाफ, चाहे प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष, केवल धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान, विकलांगता या इसमें से किसी भी आधार पर किया गया अनुचित, भिन्न या पक्षपातपूर्ण व्यवहार या ऐसा कोई भी कार्य भेदभाव के अंतर्गत शामिल किया जाएगा।

शहाहद ए चौधरी

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : कल्पिता चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाल

CROSS WORD 12156 - डॉ. सागर खादीवाल

1	2	3	4
5	6	7	
8	9	10	11
12	13		
14	15		16
17		18	
	19	20	21
22		23	

बाएँ से दाएँ
1. बड़ाई गुण कथन, वर्णन 3. मधुर, स्वादिष्ट 5. पहर, तीन घंटे का समय 6. मित्र, प्रेमी, हिमायती (उर्दू) 7. मरहम लगा हुआ कपड़े या रुई का टुकड़ा 8. चराई की भूमि 10. जादू जानने या करने वाला 12. साथ में यात्रा करने वाला (उर्दू) 15. एक तरह का विषैला कोड़ा, रंग के विचार से थोड़े का एक भेद 16. ब्रम्हा के चौदह पुत्र जो मनुष्यों के मूल पुरुष माने जाते हैं 17. शोरगुल, हल्ला 18. काले रंग को एक धातु जिससे हथियार तथा यंत्र आदि बनाए जाते हैं 19. लाल, रंग हुआ 20. विवाह के समय वर सहित कुछ लोगों का कन्या पक्ष के यहाँ जाना 22. मुसलमानों के शासन काल में

किसी देश का प्रबंध कर्ता, किसी न्यायालय संबंधी किसी कार्यालय का प्रबंधकर्ता 23. अपरिचित, नासमझ

ऊपर से नीचे
1. शीतल मंद वायु, हवा 2. व्यर्थ (उर्दू) 3. नवाब सिराजुद्दौला की फौज का सिपहसालार जो अपनी गद्दारी के लिए जाना जाता है 4. हवा, पवन 7. फाल्गुन मास का आनंदोत्सव, उस उत्सव में गाया जाने वाला गीत 9. कृतघ्न (उर्दू) 11. बहुत अंतर पर, फासले पर 13. सीधापन, सादगी, निष्कपटता 14. नाखूनों से नोचना 16. बहुत बड़ा राजा 18. एक प्रकार का सुगंधित गोंद जो जलने तथा दवा के काम आता है 21. शरीर, देह

Solution 12155
नि त्वा नं द भा व ज
द्रा दी वा ना न ग
चि चि अ ध म
पु त्र च ती नि गा
रं क ज टि ल ह
द ला ल की ट
र क छार क
गा झी वा न र द

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में ख्याति मिलेगी, नई योजनाओं में परामर्श होगा, वर्ष के मध्य में भूमि भवन आदि के मामलों में सफलता मिलेगी, वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के अंत में राजनैतिक क्षेत्र में विवाद होगा, व्यापार व्यवसाय में भागदौड़ करना होगा, निकट संबंधी के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के व्यापार में भागदौड़ रहेगी, वृष और

मेघ-मनभेद दूर होने से रिश्ते मजबूत होंगे, रूखे व्यवहार से मित्र वर्ग नाराज होगा, पुराना कार्य बनेगा, अचानक धन लाभ होने का योग है।

वृषभ- बड़ा धन मिलने के आसार हैं, अपनों के व्यवहार से खिन्नता होगी, व्यवसाय से लाभ होगा, मित्रों से मनभेद हो सकता है। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मिथुन- सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों से अच्छा लाभ होगा, सुख सुविधा के सामान पर खर्च संभव है, भूमि भवन मकान आदि के कार्यों में समस्या का समाधान होगा।

कर्क- कार्य के संबंध में अनुकूल आधार प्राप्त मिलेंगे, लापरवाही से काम पूरे नहीं होंगे, विद्वानों का नियमित रहने, परिश्रम अधिक करना होगा।

सिंह- दुविधा की स्थिति में फैसला लेना मुश्किल होगा, गुपी वस्तु मिलने का योग है, पारिवारिक दिक्कतों का योग है, पारिश्रम अधिक करना होगा।

कन्या- अपने लोगों ही उलझाने का प्रयास कर सकते हैं, मांगलिक कार्य पर विचार होगा, मान सम्मान में वृद्धि होगी, व्यक्ति विशेष को सलाह लेना हितकर रहेगा।

तुला- सामूहिक कार्यों में सभी को सलाह लाभदायक रहेगी, बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, सामाजिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक- बातों बातों में नई शुरुआत हो सकती है, जल्द ही पूरी करने उभारी संभव है, पुराने संबंधों पर कार्य बनेंगे, योजनाओं का विस्तार होगा।

आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चतुर, भाग्यवान, तथा परिश्रमी रहेगा, जिस कार्य को ठान लेगा, उसे पूरा करके ही छोड़ेगा, शिक्षा अच्छी होगी, व्यापार और नौकरी दोनों में अच्छी तरक्की करेगा, धार्मिक कार्यों में झुकाव रहेगा।

धनु- राजकीय मामलों में लापरवाही से नुकसान होगा, शादी विवाह की चर्चा में सफलता मिलेगी, अपूर्ण कार्यों में गति आयेगी, शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

मकर- धार्मिक आयोजन में खर्च होगा, न चाहेते हुये भी लोगों को आलोचना झेलना पड़ सकती है, सोचे कार्यों में व्यवधान हो, विवादों का समाधान होगा।

कुम्भ- कानूनी पक्ष मजबूत होगा, करीबी लोगों के व्यवहार से दुख होगा, मानसिक अस्थिरता रहेगी, नियमित कार्यों में व्यवधान आ सकता है।

मीन- सुविधा की कमी से कार्य में मुश्किल आयेगी, अनुभव का लाभ मिलेगा, नौकरों तथा राजकीय कार्यों में अच्छा समाचार मिलेगा, रोगों की चिन्ता रह सकती है।

उदयकालीन ग्रह चाल

8	के.7 सू. चं.सू.	6	सू.	5
9	10	4		
10		1	3	
11	12	2		

पंचांग

रा.मि. 10 संवत् 2082 माघ शुक्ल द्वादशी भुगुवासे दिन 9/21, आर्द्रा नक्षत्रे रात 2/28, वैश्वत योगे शाम 4/5, बालव करणे सु.उ. 6/35, सु.अ. 5/25, चन्द्रचार मिथुन, पर्व-प्रदोष व्रत, भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8, 11,12,2 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

माघ शुक्ल द्वादशी को आर्द्रा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड चीनी, में पूर्व की चाल रहेगी, जीरा, धनियां, हल्दी में मंदी होगी, सोना, चांदी, में उतार चढ़ाव रहेगा, वायदा विचार आज जिस कार्य में वास्तु के भाव टूटें उसी में अगले दिन तेजी होगी. भाग्यांक 2607 है।

SUDOKU 7288

5	9	1	2	3	8
2	4	5			
1	3	5	4	8	
7				1	
5	8	6	9		
8		2	9		1
3	4	6	7	5	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक है, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते। पहली का केवल एक ही हल है।

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2